टैफायड के आसार

जन स्वास्थ्य सहयोग

ग्राम व पोस्ट : गनियारी

जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

2010

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

7. कोई भी नए लक्षण जैसे– बुखार, खाँसी, वजन का घटना, पेट दर्द, दस्त या माता होने पर डॉक्टर से जरूर सम्पर्क करें।

स्टेरायड का गलत इस्तेमालः

1. बच्चों को आम सर्दी खाँसी में बेटनेसॉल की ड्राप्स देना।
2. आयुर्वेदिक दवाई में जल्दी आराम दिलाने के लिए स्टेरायड का मिश्रण।
3. किसी भी गठिया रोग में तकलीफ कम करने के लिए झोला छाप डॉक्टरों द्वारा सिर्फ स्टेरायड का प्रयोग करना (अन्य दवाईयाँ दिए बिना)

गलत इस्तेमाल से स्टेरायड का बुरा असर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। इसलिए इससे हमेशा सावधान रहना आवश्यक है।

= = :00: = =

सहयोग राशि
व्यक्तिगत – 1 रू.
संस्थागत – 2 रू.

लम्बे समय तक स्टेरायड (Steroid) लेने के असर

स्टेरायड क्या है :

स्टेरायड एक ऐसा तत्व है जो हमारे शरीर में बनता है। इसका प्रयोग दवा के रूप में कुछ बीमारियों का इलाज करने में किया जाता है।

यह गोली, इन्जेक्शन, सिरप व ड्राप्स के रूप में उपलब्ध है।

गोली – वाईसोलोन, प्रेडनिसोलोन, आम्नाकॉर्टिल
इन्जेक्शन – डेकाड्रॉन, डेक्सोना
सिरप – प्रीडोन
ड्राप्स – बेटनेसॉल

किन बीमारियों में स्टेरायड का प्रयोग किया जाता है :

1. र्‌यूमैटिक हृदय रोग (Acute Rheumatic fever)
2. र्‌यूमैटिक गठिया रोग (Rheumatoid Arthritis)
3. दमा (Severe Bronchial Asthma)
4. कुछ प्रकार के गुर्दा रोग जैसे नेफ्रॉटिक सिन्ड्रोम (Nephrotic syndrome)
5. कुछ अन्य बीमारियाँ जैसे SLE, एलर्जी द्वारा होने वाले चर्म रोग।

लेने की विधि :–

स्टेरॉयड (Steroid) की गोली को रोज या एक दिन की आड़ में लिया जाता है। इसे सुबह खाने के साथ में या खाने के बाद में लेना चाहिए।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

मरीज़ के लिए जरूरी जानकारी :

1. स्टेरायड की दवा हमेशा डॉक्टर की सलाह से ही लें।
2. दवा की खुराक अपने आप कम ज्यादा या बन्द न करें।
3. यदि कोई बड़ी समस्या या बुखार बीच में उठे तो स्टेरायड के चलने की जानकारी इलाज करने वाले डॉक्टर को जरूर दें। क्योंकि ऐसी स्थिति में स्टेरायड की मात्रा को बदलने की जरूरत पड़ सकती है।

स्टेरायड द्वारा शरीर पर होने वाले बुरे असर :

ये असर लम्बे समय तक दवा चलने से या अधिक मात्रा में लेने से ज्यादा दिखाई देते हैं। कुछ असर दवा के चलते तक रहते हैं व दवा बन्द करने पर खत्म हो जाते हैं। ये हानिकारक नहीं होते हैं। जैसे :–

1. वजन बढ़ना
2. भूख अधिक लगना
3. चेहरे का गोल दिखाई देना
4. अपचन होना
5. चमड़ी का पतला होना
6. हल्की चोट पर आसानी से नीला पड़ना

कुछ अन्य असर ऐसे होते हैं जो दवा के बन्द होने के बाद भी रहते हैं, जैसे :

1. हड्डियों का कमजोर होना या टूटना।
2. मांस पेशियों की कमजोरी– सीढ़ी चढ़ने, उठने बैठने में व ऊपर से वस्तुएं उठाने में परेशानी।
3. रक्त चाप (ब्लड प्रेशर) का बढ़ना।
4. खून में शक्कर की मात्रा बढ़ना।
5. बच्चों की लंबाई बढ़ने में रूकावट।
6. किसी भी संक्रमण के लक्षण को दबाना, जिससे बीमारी को पहचानने में देर होने की सम्भावना।
7. छोटी माता या Chickenpox यदि स्टेरायड के चलते हुए होता है तो गम्भीर रूप ले सकता है।

स्टेरायड दवाई के चलते समय लेने वाली सावधानियाँ :

1. दवा को अचानक बन्द न करें।
2. खुराक डॉक्टर की सलाह से ही लें।
3. हड्डियों की कमजोरी रोकने के लिए– नियमित कसरत, चूना (Calcium) का सेवन करें।
4. शराब व तम्बाकू का सेवन न करें।
5. वजन, रक्त चाप व खून में शक्कर की मात्रा की जाँच कराते रहें।
6. स्टेरायड के चलते कुछ टीके बच्चों में न लगवायें जैसे– पोलियो ड्राप्स, खसरा आदि।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com